064

# HD-03

## June - Examination 2016

## B.A. Pt. II Examination

## हिन्दी गद्य भाग – II (नाटक एवं अन्य गद्य विधाएँ)

## Paper - HD-03

**Time : 3 Hours ]** **[ Max. Marks :- 100**

**निर्देश :** यह प्रश्न पत्र के तीन खण्डों, खण्ड 'अ', खण्ड 'ब' और खण्ड 'स' में विभाजित है। खण्ड 'अ' अति लघुत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघुत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित है।

**खण्ड – 'अ'** **$10 \times 2 = 20$**

(अति लघु उत्तरात्मक प्रश्न (अनिवार्य))

**निर्देश :** सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य है। आप अपने उत्तर को एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में दीजिये। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1) **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

(i) रामचन्द्र शुक्ल के निबन्धों की विषय वस्तु क्या है?

(ii) निबंध के किन्हीं दो प्रकारों का नामोल्लेख कीजिए।

(iii) महादेवी वर्मा के किन्ही दो संस्मरणों के नाम लिखिए।

(iv) जय शंकर प्रसाद के किन्हीं दो नाटकों के नाम लिखो।

(v) ''किसके पापों का यह परिणाम है, किसकी भूल थी जिसका भीषण विषफल हमें मिला।'' यह कथन किसने व किससे कहा?

(vi) नाखून बढ़ना किस बात की निशानी है?

(vii) नायक किसे कहते हैं? उसके भेदों का नामोल्लेख कीजिए।

(viii) रामविलास शर्मा किस विचारधारा के आलोचक है?

(ix) तुलसी के साहित्य का मूल संदेश लिखिए।

(x) घीसा के नामकरण के पीछे क्या तर्क था?

## (खण्ड – ब) $4 \times 10 = 40$

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

**निर्देश :** निम्नलिखित प्रश्नों में से कोई चार प्रश्न कीजिए। शब्द सीमा लगभग 200 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

2) जीवनी एवं आत्मकथा के अन्तर को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

3) ध्रुवस्वामिनी नाटक की संवाद योजना पर टिप्पणी लिखिए।

4) हरिवंशराय बच्चन के व्यक्तित्त्व एवं कृतित्व का परिचय दीजिए।

5) घीसा के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए।

6) आलोचना की परिभाषा देते हुए उसके प्रकारों को समझाइए।

7) **निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।**

''तीनों तरफ क्षितिज तक पानी–ही–पानी था। फिर भी सामने का क्षितिज, हिन्द महासागर की अपेक्षा अधिक दूर और अधिक गहरा जान पड़ता था। लगता था कि उस ओर दूसरा छोर ही नहीं। तीनों ओर के क्षितिज को आँखों में समेटता मैं कुछ देर भूला रहा कि मैं हूँ एक जीवित व्यक्ति, दूर से आया यात्री एक दर्शक।

8) **निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।**

''महाजनी सभ्यता के पास ईर्ष्या, ओर ज़बरदस्ती, बेइमानी, झूठ, मिथ्या–अभियोग, आरोप, वेश्यावृत्ति, चोरी–डाके आदि का कोई ईलाज़ नहीं है। ये सारी बुराइयाँ दौलत की देन हैं। पैसे के प्रसाद हैं। महाजनी सभ्यता ने इनकी सृष्टि की है। वही इनको पालती है। वह यह भी चाहती है कि जो दलित, पीड़ित और विजित हैं, वे ईश्वरीय विधान समझकर अपनी स्थिति पर सन्तुष्ट रहे।''

9) **निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।**

''शिद्धिरगंज के हालचाल सुनना चाहते हो? एक दो तीन, गाँव के एक छोर से दूसरे छोर तक गिनते चले जाओ। कसम है अगर तुम किसी को भी हाय–हाय करते पाओ। नहीं आज कुछ नहीं है। था एक दिन, जब गाँव में रात दिन रोने कहराने के सिवा और कुछ भी सुनाई नहीं देता था। मगर अब तो वह सब कुछ नहीं है।''

## (खण्ड – स) $2 \times 20 = 40$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

**निर्देश :** निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए। शब्द सीमा अधिकतम 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

10) नाटक के तत्वों के आधार पर 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक का तात्विक विश्लेषण कीजिए।

11) प्रेमचन्द की जीवनी 'लमही में जन्म एवं मृत्यु' को अपने शब्दों में लिखिए।

12) भक्ति आन्दोलन के सन्दर्भ में तुलसी साहित्य की विशेषताओं को विस्तार सहित लिखिए।

13) बच्चन की आत्मकथा 'क्या भूलुँ क्या याद करुँ' की समाजोपयोगिता पर एक निबंध लिखिए।

———